

(ख) यदि हां, तो यह टक्कर किन कारणों से हुई ?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री श्याम नाथ) : (क) दुर्घटना मुगलसराय याई में 12-11-65 को हुई। इस दुर्घटना में विजली इंजन को थोड़ा नुकसान पहुंचा जिसका अनुमान लगभग 2000 रुपये है।

(ख) दुर्घटना रेल कर्मचारियों की मजदूरी के कारण हुई।

राखा में तांबे का कारखाना

1819. श्री श्रीकार लाल बेरेबा : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सोवियत संघ की सहायता से टाटानगर के समीप राखा में एक तांबे का कारखाना स्थापित किया जायेगा ;

(ख) यदि हां, तो सोवियत संघ द्वारा प्रदान की जाने वाली सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ग) कितने तांबे का उत्पादन होने की संभावना है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री संजीव रेड्डी) : (क) रूसी संघ के सहयोग से राखा तांबा निलेपों के माध्यम पर एक तांबा प्रद्वारक और परिष्करणी स्थापित करने का प्रश्न विचाराधीन है।

(ख) रूसी विशेषज्ञों ने तत्वों की छानबीन का कार्य पूर्ण कर लिया है और आवश्यक सहायता के प्रकार और सीमा की निर्धारण किया जा रहा है।

(ग) प्रस्तावित प्रद्वारक की क्षमता विस्तृत प्रश्नों के परिणाम पर निर्भर है, जो प्रगति पर है।

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE.

(i) REPORTED FIRING BY NAGA HOSTILES ON PASSENGER TRAIN

श्री जय लिवधे (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री बलम्बनीय लोक महत्त्व के निम्न विषय की और रेल मंत्री का ध्यान दिलाता हूँ—मैंने तो सुरक्षा मंत्री कहा था, अध्यक्ष महोदय—और प्रार्थना करता हूँ कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :—

“नागा विद्रोहियों द्वारा 29 नवम्बर, 1965 को पूर्वोत्तर सीमा रेलवे की 27 घण सवारी गाड़ी पर गोली चलाया जाना जिस के परिणामस्वरूप तीन व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा घात अन्य व्यक्ति घायल हुए”

Shri Daji (Indore): I rise on a point of order.

The question was rightly addressed to the Minister of Defence and if you transfer it to the Minister of Railways, the whole complexion, the whole slant, the whole purpose of the question is defeated. The idea is not that the Railway property was damaged; the idea is to focus the intensity and gravity of the situation arising out of the action of Naga hostiles. It is a defence problem and not a railway problem.

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): I had sent a request earlier that it would be helpful if the Prime Minister and the Home Minister were present in the House. At least one of them should be present, because it is not a purely railway matter.

Mr. Speaker: The hon. Defence Minister is here, and I would request him also to answer any questions that might relate to him.

श्री जय लिवधे : अध्यक्ष महोदय, क्या प्रतिरक्षा मंत्री इस का जवाब नहीं देंगे।

अध्यक्ष महोदय : आप ने सुना नहीं, मैं कहने लगा था कि

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, प्राप ने रेलवे मंत्री से कहा इस लिये मैं कह रहा हूँ ।

अध्यक्ष महोदय : मैं वही बतलाने जा रहा था । मैं ने कह दिया है कि डिफेंस मिनिस्टर साहब मौजूद हैं । अगर उनसे कोई इन्फार्मेशन माननीय सदस्यों को लेनी होगी तो मैं उन से दिलवा दूंगा ।

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : 29-11-1965 को दिन में 3 बज कर 20 मिनट पर, जब 27 घण्टे सवारी गाड़ी पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के लार्डिंग-मरियानी खण्ड पर दलदली और घनशिरी स्टेशनों के बीच जा रही थी, तो घनशिरी स्टेशन के अग्र दूर सिगनल के पास नागा विद्रोहियों ने गाड़ी पर गोली चलायी इस के परिणामस्वरूप तीन सवारी डिब्बों पर गोलियां लगीं और तीन व्यक्ति घटना-स्थल पर ही मर गये । इन में से एक टी० टी० ई०, रेलवे सुरक्षा दल के विशेष घापाती बल का एक रक्षक और लगभग 60 वर्ष की एक महिला यात्री थी । दो व्यक्तियों को घम्भीर और 5 व्यक्तियों को साधारण चोटें प्रायीं ।

गाड़ी रोक दी गयी और दो सैनिक डाक्टरों ने घायल व्यक्तियों की मरहम-पट्टी की । वे सैनिक डाक्टर उसी गाड़ी में सफर कर रहे थे । बाद में घायल व्यक्तियों को लार्डिंग के रेलवे अस्पताल में दाखिल करा दिया गया, जहां उन की हानन सुधर रही है ।

नवीनतम सूचना के अनुसार मालूम हुआ है कि छिपे नागाओं ने घने जंगल में से लगभग 100 गज की दूरी से गोली चलायी । सारा क्षेत्र घने जंगलों से ढक हुआ है । गाड़ी के घनुरक्षक दल ने ब्रेनगन, राइफल और स्टैनगन से कई राउण्ड गोलियां चलायीं । इस पूरे इलाके की छानबीन के लिये तुरन्त घनशिरी से एक खोजी दल भेजा गया । लेकिन इस का कोई नतीजा नहीं निकला । जांच पड़ताल

जारी है ।

गाड़ी में न केवल रेलवे सुरक्षा दल के विशेष घापाती दल के एक हथियारबन्द दस्ते का, बल्कि सैनिक गाड़ों का भी पहरा वा समूचा क्षेत्र सेना के नियंत्रण में है ।

श्री मधु लिमये : मेरा प्रश्न प्रधान मंत्री या प्रतिरक्षा मंत्री के लिये है क्योंकि यह रेल दुर्घटना नहीं है । दिसम्बर महिने में प्रधान मंत्री जी नागा विद्रोहियों के शिष्ट मंडल के साथ बातचीत करने वाले हैं । पहली तारीख को नागा प्रदेश के निर्माण की सालगिरह थी । जैसे जैसे सालगिरह नजदीक आई नागा विद्रोहियों द्वारा हमले ज्यादा होने लगे । मेरा प्रश्न यह है कि क्या सरकार को इस बात का पता है कि रेल के ऊपर जो गोली चली उस में केवल राइफल का इस्तेमाल नहीं हुआ । जो रिपोर्ट मेरे पास आई है उस में कहा गया है कि :

"The Naga hostiles opened rifle and rocket fire on the train from both sides of the track".

तो नागा विद्रोहियों के पास यह राकेट कहां से आये । जो शान्ति दूत हैं वह हमेशा केवल राफाई देने का काम करते हैं, कोई राष्ट्र हित की बात नहीं करते हैं । मैं जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार का ध्यान इस बात की और गया है कि यह राकेट कहां से आये, और इतने के बारे में सरकार क्या ठोस कदम उठायेगी जिस से हमारे मुल्क के सम्पूर्ण प्रदेश की अच्छी तरह हिफाजत हो सके ।

अध्यक्ष महोदय : सवाल सिर्फ इतना है कि प्राया इस हमले में राकेट का इस्तेमाल किया गया और अगर किया गया तो वह राकेट कहां से आये ।

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): My information is that so far the report is not confirmed that rockets were used in this case. There is no confirmed information about it.

श्री मधु लिमये : यह प्राप कैसे कह रहे हैं ।

Shri Y. B. Chavan: The I.G. and other people are making inquiries, and we shall have to know from them.

श्री यशपाल सिंह (कैराना): जैसा रेलवे बंती ने कहा, इस इलाके का सब इन्तजाम मिलिटरी के हाथ में है, तो क्या यह खयाल किया गया है कि अगर इन ट्रेनों को, जो कि नागा होस्टाइल्स के इलाके में चलती हैं, मिलिटरी द्वारा चलवाया जाये तो यह घटनायें घटित नहीं होंगी ?

डा० राम सुभग सिंह : असल में नागा होस्टाइल्स का यह क्षेत्र नहीं है । डीपू से सेबमगुड़ी तक यह नागालैंड के नजदीक होते हुए जाती है, लेकिन वह क्षेत्र है असम का । इसलिये साधारण रेल के यात्री हैं वे लोग भी चलते हैं और वहाँ पर रेलवे और मिलिटरी दोनों ओर से व्यवस्था है । लेकिन कितनी ही लोग कठिनाई पैदा करना चाहें रेलें चलेगी नहीं । इस तरह से गोली चलने के पश्चात् भी दृढ़तापूर्वक रेलें चलेंगी और इनका मुकाबला होगा ।

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I would like to know whether it is a fact that the hostile acts of these rebel Nagas are on the increase even after assurance given by the Prime Minister that he will have talks with the rebel leaders. I want to know whether it will be made clear that the Government or the Prime Minister will not talk with the rebel Nagas unless they gave a clear assurance that they will not indulge in these sabotaging activities.

The Prime Minister and Minister of Atomic Energy (Shri Lal Bahadur Shastri): They had earlier given an assurance, but as I have said, there is a small section which does not seem to agree to the terms of the agreement, whatever we might call it, arrived at. There are some people who have defied it. But I do not think that I should refuse to meet them. I have agreed to meet them, and I think I should do so. But these activities,

whatever they do, have to be effectively checked as far as it is possible for us and for Government to do.

Shrimati Jyotsna Chanda (Cachar): In view of the fact that frequent firing is going on in these areas on the railway track or trains, may I know whether Government propose to clear the jungle to a depth of one mile on either side of the railway track, as had been assured by the then Railway Minister two years ago? He said that he would have it cleared, but it seems it has not been cleared. Also will people be rehabilitated on both sides of the track . . .

Mr. Speaker: The question has come.

Shrimati Jyotsna Chanda: Whether Government will rehabilitate people on those areas to give security to the railway track and trains and also whether they propose to give bullet-proof steel vans to the RMS employees and engine drivers?

Mr. Speaker: The question is finished? I am glad.

Dr. Ram Subhag Singh: This is a good proposal and it has been acted upon also in some parts. But as I said earlier, the line goes via Assam territory at Dimapur, and also near Diphu it does touch Nagaland. On the right side while going towards Tinsukia, this territory is near the boundary of Nagaland. The Assam Government has got some of the areas cleared. This has been pointed out to both Governments, but in certain parts there does exist some dense forest. We will again draw their attention to this. But the difficulty is also there in other areas.

Shrimati Jyotsna Chanda rose—

Mr. Speaker: Even if the hon. lady Member is not satisfied with all what has been said, she cannot be allowed another question.

Shri Hari Vishnu Kamath: Have reports been received that these Naga hostiles who indulge in such nefarious

[Shri Hari Vishnu Kamath]

activities are armed and trained in these activities as well as in guerilla warfare in East Pakistan and under Chinese trainers? If so, in spite of such blatant violations of the truce, to what end are the triangular talks between the Chief Minister of Assam, a British missionary who is a friend of the hostile Naga leader Mr. Phiso, and the Jivandani Sarvodaya leader, Shri Jaya Prakash Narayan directed?

Shri Bibhuti Mishra (Motihari): He was your leader.

Shri Hari Vishnu Kamath: There is silence on the Treasury Benches!

Shri Lal Bahadur Shastri: Of course, the report to which reference has been made by Shri Kamath is all right as far as we know. I cannot say about the Chinese giving the training, but about East Pakistan, our reports are also the same. The effort of the peace mission has been to bring about some kind of a settlement which would enforce or which may lead to the Naga hostiles agreeing to function peacefully, and if possible, co-operate with the Government there. This effort there will continue.

Shri Hari Vishnu Kamath: Does Dr. Shilu Ao agree?

Shri Lal Bahadur Shastri: Dr. Shilu Ao also completely agrees with it.

Whenever an extension has been given or has been suggested, we have always consulted Shri Shilu Ao, and Shri Shilu Ao feels that we should still try to maintain peace there, and he has some hope. At least last time when he was here, he had definite hopes that these talks would end in fruitful results, but I cannot say. The incidents which have recently taken place do cause some anxiety to us, no doubt.

Shri P. C. Borooah (Sibsagar): Can the Government assure that there will be no stoppage of night running of

trains on account of these sporadic firings from Naga hostiles meant only to paralyse the transport system of that State?

Dr. Ram Subhag Singh: Actually, the trains were stopped prior to August last year and we made arrangements for running the trains in night time also. We can categorically say that we are not going to be deterred by this incident. We are putting up search light pilot trains to patrol the track, and we will also be strengthening our patrols by a special emergency force as well as military people to see that no untoward incident recurs there. The trains will be running as they have been running.

Shri A. P. Sharma (Buxar): The firing is reported to have been resorted to at 3.20 in the broad day light afternoon near Dhansiri station. May I know how far the jungle is from the station area, and how long the Government will take to clear these Nagas from the jungle area near about this station?

Dr. Ram Subhag Singh: This incident, as I said, took place near the signal post, and the Nagas were about 100 yards from the track. As I said earlier, we will be drawing the attention of both the Nagaland and Assam Governments to clear the jungle, because that is a proposal which we think will help the railways a lot in improving such requirements in future, and I suppose they will clear the jungle, but that jungle is not only at that place. One incident had occurred last year near Amguri, and the distance is quite long, more than 100 miles, and so it will take some time. If we get that jungle cleared near Dhansiri it will not take much time, but anyway we shall try.

Shrimati Bannka Barkatakj (Barketa): He has given wrong information to the House. The Northeast Frontier railway track does not go through Nagaland.

Mr. Speaker: We concede that she knows much more about the Nagas!

Shrimati Renuka Barkataki: No, Sir. Let me clear it. People will feel that the track is vulnerable because it goes through Nagaland. It is not running through Nagaland. The Minister should clarify that Nagas are attacking our trains in Assam's territory. Now let me put my question.

In view of the fact that this railway track is the only lifeline connecting Gauhati and Dibrugarh and the fact that this line is connecting not only Gauhati and Dibrugarh but all the strategic areas in northeast Assam and the fact that this strategic line cannot be left to be made vulnerable by the hostile Nagas. Does the Government propose to accept the suggestion of the Assam Government which is also a long-standing demand of the public of Assam that an alternative rail track should be laid from Goalpara to Dibrugarh on the banks of the Brahmaputra linking all the sub-divisional headquarters on the southern side to remove the danger of disruption to the defence of our borders?

Dr. Ram Subhag Singh: As you may recall . . . (Interruptions).

Mr. Speaker: I am helpless when the lady is speaking.

Dr. Ram Subhag Singh: I had said in my reply to the first supplementary that the track passed through the territory of Assam . . . (Interruptions).

Mr. Speaker: The only thing that she wants to know is whether an alternative track will be laid.

Dr. Ram Subhag Singh: I want to clarify that. It is the responsibility of both the Government of India and much more that of the Assam Government to protect the railway track properly because it is their law and order problem and therefore they should discharge their duty first and not ask for the second track at the same time. Of course we will con-

sider that and that will be considered. But this thing must be done first by the Government and she should emphasise upon her State Government this if she is so very particular.

Shrimati Renuka Barkataki: What about the alternative route?

Mr. Speaker: Answers will be given when she sits down.

Shri U. M. Trivedi (Mandsaur): Has the Government now decided to take as firm an attitude as it did in August last towards Pakistan and completely liquidate the Naga hostiles and their leader Phizo?

Shri Lal Bahadur Shastri: There could be no comparison between the two, between the attack and the aggression by Pakistan and our handling of the Nagaland problem. Nagaland is part of India and the Nagaland people are the citizens of India. But wherever it is possible we will deal with the situation effectively. Side by side as has been stated before we would like to continue the talks.

Shri P. K. Deo (Kalahandi): Even though *de jure* there is a government functioning under the Constitution, *de facto* it is not. May I know how long will Indians be exposed to firing by trigger happy Naga hostiles and do the Government propose to expedite these talks so that there would be permanent peace restored in that part of India?

Shri Lal Bahadur Shastri: I hope that the talks will be expedited.

Shri Krishnapal Singh (Jalesar): May I know whether patrols are not provided in these trains? If they had been provided with patrols, it could have prevented quite a number of lives of the unfortunate citizens being lost. Will all the trains at least in future be provided with patrols?

Dr. Ram Subhag Singh: Patrol was provided even for this train; it is being provided for a long time. Even on this train, there were 15 armed special emergency force personnel as well as military personnel—8 ASEP and 7 military personnel, all armed.

Shri M. L. Jadhav (Malegaon): Is it correct to say that the Naga hostiles are intruding into the State of Assam?

Dr. Ram Subhag Singh: They came into Assam and fired.

शुक्रशाय (देवास) :

मैं जानना चाहता हूँ कि हमारी शान्ति वार्ता की धाड़ में जैसा कि प्रधान मंत्री ने बताया कि कुछ लोग असन्तुष्ट हैं हमारी बातचीत से, वे ऐसी कार्यवाही करते हैं तो उस कार्यवाही के ऊपर नियंत्रण रखने के लिए और उन का दमन करने के लिये आप ने कौन से विशेष कदम उठाये हैं। उन के द्वारा जब गोली चलाई गई थी और आप ने उस की जांच कर ली है कि वह कहां की बनी हुई है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : कहां की है यह तो जांच होगी तब पता चलेगा। बाकी यह है कि जहां वारदात होती है वहां उस को रोकने की कार्यवाही करते हैं और कई जगह मुकाबला भी हुआ है।

श्री राम हरस यादव (भ्राजमगढ़) :

रेलवे मंत्री ने बताया कि यह गौहाटी और तिनसुखिया के बीच का बहुत जरूरी रास्ता है सारे आसाम के लिए। मैं जानना चाहता हूँ कि क्या जो मजबूत इन्तिजाम है उस को मजबूत बनाने की कोशिश की जा रही है या सरकार को इतने पर ही संतोष है कि वहां अमन अमान कायम है ?

डा० राम सुभग सिंह : उस को मजबूत बनाना निहायत आवश्यक है और रेल की दृष्टि से भी इस को काफी मजबूत करने की आवश्यकता है और इस के लिये हम ने तयारियां की हैं। हमारे ए एस ई एफ कमांडर वहां जा रहे हैं और जो जरूरत होगी उस को काफी जल्दी पूरा किया जाएगा।

श्री बड़े (खारगोन) : पहले हाउस में कहा गया था कि शान्ति वार्ता पहले की जाएगी और उस के बाद दूसरे रास्ते इस्तेमाल किए

जायेंगे। शान्ति वार्ता के बारे में नागा लैंड के चीफ मिनिस्टर ने कहा है :

"The Chief Minister of Nagaland warned the underground Nagas against violation of peace terms and appealed to the people to exercise their influence in favour of permanent peace."

इस प्रकार नागा लैंड के चीफ मिनिस्टर ने कहा है। यह उन की एक स्टेटजी चल रही है कि इधर पीस टाक करो और उधर बाईर में पाकिस्तान की मदद से डिस्टर्बेंस करो। ऐसी हालत में क्या सरकार शान्ति वार्ता को खत्म कर के कोई दूसरा रास्ता इस्तेमाल करने जा रही है ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : अभी तो बातचीत होगी। बातचीत में बहुत सी बातें आयेंगी और ये बातें भी आयेंगी। और जो कुछ हम कर रहे हैं चीफ मिनिस्टर की राय से ही कर रहे हैं।

12.22 hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE
(Query)

Mr. Speaker: I have admitted another Calling Attention Notice which refers to the concentration of Pakistani Army with heavy artillery and tanks in the Barmer sector of Rajasthan.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I have to say something.

Mr. Speaker: I have not called upon anyone now.

Shri Nath Pal (Rajapur): Since you referred to the notice, we want to have some information.

Mr. Speaker: Either the answer can be placed on the Table of the House or, if Members want to put questions, then I will take it up at quarter to five.